RBSE BOARD ZONE

PREVIOUS YEAR QUESTIONS

HINDI C.

CHAPTERWISE

(English Medium)

CLASS 12

HINDI COMPULSORY

राजस्थान बोर्ड में पिछले 10 वर्षों में पूछे गए सभी प्रश्न

- FOR RBSE EXAMINATION 2023-24
- सभी प्रश्न CHAPTERWISE/TOPIC WISE
- BASED ON RATIONALISED NCERT 2023-24
- ERRORLESS PDF
- ALL REPEATED QUESTIONS ARE MENTIONED

Maniesh Kr

9216765400

@boardzone

विषय - वस्तु

अध्याय पृष्ठ संख्या

1. अपठित बोध (क) अपठित गद्यांश ----------02-06

2. अपठित बोध (ख) अपठित पद्यांश ----------07-012

3. निबन्ध लेखन ----------13-14

4. पत्र व प्रारूप लेखन ----------15-16

5. विभिन्न माध्यमों के लिए लेखन ----------17

6. फीचर लेखन/आलेख ----------18-19

7. व्यावहारिक व्याकरण ----------20-21

8. सप्रसंग व्याख्या गद्य भाग ----------22-24

9. सप्रसंग व्याख्या (पद्य भाग)----------25-27

10.पाठयपुस्तक - आरोह (गद्य खंड) ----------28-30

11.पाठयपुस्तक - आरोह (काव्य खंड)----------31-32

12.पाठयपुस्तक – वितान----------33-35

TOPIC = अपठित बोध (क) अपठित गद्यांश

1. **निम्न अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

धर्म का वास्तविक गुण तब प्रकट होता है जब हम जीवन का सत्य जानने के लिए और इस दुनिया की दया और क्षमा योग्य वस्तुओं में वृद्धि के लिए निरन्तर खोज करते हैं और सततअनुसंधान करते हैं । अनुसंधान या खोज की लगन और उन उद्देश्यों का विस्तार जिन्हें हम प्रेमअर्पण करते हैं, ये वास्तविक रूप में आध्यात्मिक मनुष्य के दो पक्ष होते हैं । हमें सत्य की खोज तब तक करते रहना चाहिए जब तक हम उसे पा न लें और उससे हमारा साक्षात्कार न हो । जो कुछ भी हो, हर मनुष्य में वही तत्त्व मौजूद है, अतः वह हमारे प्यार और हमारी सद्भावना का अधिकारी है । समाज और सारी सभ्यता केवल इस बात का प्रयास है कि मनुष्य आपस में सद्भाव के साथ रह सकें । हम इस प्रयास को तब तक बनाए रखते हैं। जब तक सारी दुनिया हमारा अपना परिवार न बन जाए।

(i) धर्म का वास्तविक गुण कब प्रकट होता है ?
(ii) आध्यात्मिक मनुष्य के दो पक्ष कौन-से हैं ?
(iii) हर मनुष्य में कौन-सा तत्त्व मौजूद है ?
(iv) मनुष्यों को आपस में सद्भाव का प्रयास कब तक करते रहना चाहिए ?

(RBSE 2013)

2. **निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

गाँधीजी के अनुसार शिक्षा, शरीर, मस्तिष्क और आत्मा का विकास करने का माध्यम है । वे 'बुनियादी शिक्षा' के पक्षधर थे । उनके अनुसार प्रत्येक बच्चे को अपनी मातृ भाषा की निःशुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा मिलनी चाहिए जो उसके आस-पास की जिन्दगी पर आधारित हो; हस्तकला एवं काम के जरिए दी जाए; रोजगार दिलाने के लिए बच्चे को आत्मनिर्भर बनाए तथा नैतिक एवं आध्यात्मिक मूल्यों का विकास करने वाली हो । गांधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे तथा उन्होंने अपने जीवन में सामाजिक एवं राजनीतिक आंदोलनों में भाग लेकर भारतीय समाज एवं राजनीति में इन मूल्यों को स्थापित करने की कोशिश की । गांधीजी की सारी सोच भारतीय परम्परा की सोच है तथा उनके दिखाए मार्ग को अपनाकर प्रत्येक व्यक्ति और सम्पूर्ण राष्ट्र वास्तविक स्वतन्त्रता, सामाजिक सद्भाव एवं सामुदायिक विकास को प्राप्त कर सकता है । भारतीय समाज जब-जब भटकेगा तब-तब गाँधीजी उसका मार्गदर्शन करने में सक्षम रहेंगे ।

(i) गांधीजी के अनुसार प्रत्येक बच्चे को किस प्रकार की शिक्षा दी जानी चाहिए ?
(ii) 'गांधीजी के उक्त विचारों से स्पष्ट है कि वे व्यक्ति और समाज के सम्पूर्ण जीवन पर अपनी मौलिक दृष्टि रखते थे.. ' यह किस प्रकार का वाक्य है; बताते हुए परिभाषा भी लिखें ।
(iii) 'सामाजिक' शब्द में मूल शब्द व प्रत्यय बताइए ।
(iv) अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए ।

(RBSE 2014)

3. **निम्न अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

देश की सर्वांगीण उन्नति एवं विकास के लिए देशवासियों में स्वदेश-प्रेम का होना परमावश्यक है । जिस देश के नागरिकों में देशहित एवं राष्ट्र-कल्याण की भावना रहती है, वह देश उन्नतिशील होता है । देशप्रेम के पूत-भाव

से मण्डित व्यक्ति देशवासियों की हित-साधना में, देशोद्धार में तथा राष्ट्रीय प्रगति में अपना जीवन तक न्यौछावर कर देता है । हम अपने देश के इतिहास पर दृष्टिपात करें, तो ऐसे देशभक्तों की लम्बी परम्परा मिलती है, जिन्होंने अपना सर्वस्व समर्पण करके स्वदेश-प्रेम का अद्‌भुत परिचय दिया है । महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी, सरदार भगत सिंह, महारानी लक्ष्मीबाई, लोकमान्य तिलक, महात्मा गाँधी आदि सहस्रों देश-भक्तों के नाम इस दृष्टि से लिए जाते हैं । हमें अपने देश के इतिहास से देश-प्रेम की एक गौरवपूर्ण परम्परा मिलती है और इससे हम देश हितार्थ सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं ।

(i) लेखक के अनुसार कौन-सा देश उन्नतिशील होता है ?
(ii) 'हमें अपने देश के इतिहास से देश प्रेम की एक गौरवपूर्ण परम्परा मिलती है और इससे हम देशहितार्थ सर्वस्व न्यौछावर करने की प्रेरणा प्राप्त करते हैं ।' यह किस प्रकार का वाक्य है, बताते हुए परिभाषा भी लिखें ।
(iii) 'स्वदेश' शब्द में मूल शब्द व उपसर्ग बताइए ।
(iv) अपठित गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए ।

(RBSE 2015)

4. **निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

आज हमारी सबसे बड़ी आवश्यकता राष्ट्रीय चरित्र का पुनर्मूल्यांकन है । भारत नारों और बिल्लों पर नहीं रह सकता, उसे जीने के लिए ठोस आधार चाहिए । यह ठोस आधार युवा पीढ़ी को अनुप्राणित किये बिना, राष्ट्र की आत्मा को जगाये बिना प्राप्त नहीं किया जा सकता । विदेशी मुद्रा, विदेशी मशीन या विदेशी पूँजी के आयात से त्याग, परिश्रम और अनुशासन के भाव की पूर्ति नहीं की जा सकती, आत्म विश्वास और राष्ट्रीय चरित्र नहीं गढ़ा जा सकता । स्वतन्त्रता के पश्चात हम जिस तेजी से आसानी की ओर भागे उसी कारण आज हमारी कठिनाईयों में वृद्धि हुई है । समस्याओं की चुनौती स्वीकार न करके हम उनका विकल्प खोजने में लगे रहे हैं । आज आवश्यकता एक मनस्वी, राष्ट्र-प्रेमी, स्वावलम्बी और अनुशासित राष्ट्रीय- चरित्र के विकास की है ।

(i) राष्ट्रीय जागरण के लिए क्या आवश्यक है ?
(ii) "स्वतंत्रता के पश्चात हम जिस तेजी से आसानी की ओर भागे उसी कारण आज हमारी कठिनाइयोंमें वृद्धि हुई है ।" इस वाक्य को सरल वाक्य में बदलिए ।
(iii) “स्वावलम्बी” शब्द के मूल शब्द, उपसर्ग और प्रत्यय बताइए ।
(iv) गद्यांश उपयुक्त शीर्षक लिखिए ।

(RBSE 2016)

5. **निम्नांकित अपठित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:** **[4 x 2 = 8M]**
(प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर सीमा 20 से 40 शब्द है)

युद्ध और नर -संहारक शस्त्रों की भीषण चोटों से घायल विश्व का हृदय यह स्पष्ट अनुभव कर रहा है कि स्थायी सुख और शान्ति का मार्ग हिंसा में नहीं, अहिंसा में है। आज विश्व के सिर पर युद्ध और अशान्ति के बादल मंडरा रहे हैं। विश्व का एक भी राष्ट्र अपने को पूर्ण सुरक्षित अनुभव नहीं कर रहा है। सर्वत्र भय की भावना व्याप्त हो रही है। सबल राष्ट्र निर्बल राष्ट्रों की स्वतन्त्रता का बलात् अपहरण कर रहे हैं। हिंसा के पथ पर अग्रसर होकर विश्व-विनाश की ओर जा रहा है। आज आवश्यकता इस बात की है कि युद्ध के स्थान पर शान्ति की स्थापना की जाए, शत्रुता के स्थान पर मित्रता के हाथ बढ़ाए जाएं। गाँधीजी ने अहिंसा का मार्ग अपनाकर ही भारत को अंग्रेजों की दासता से मुक्त कराया था। महावीर स्वामी, गौतम बुद्ध और महात्मा ईसा ने भी अहिंसा के द्वारा ही मानव-कल्याण का पथ आलोकित किया था। आज भी हमारा देश इसी अहिंसा की वाणी का सन्देश, शान्ति का देवदूत बनकर भय और संशयग्रस्त संसार को दे रहा है। यही आज की क्षत-विक्षत मानवता की सबसे बड़ी माँग है। हमारा कर्त्तव्य है कि हम अहिंसा के आदर्शों को अपनाकर मानवता के दीप को प्रज्वलित करें। यही आज के युग का परम धर्म है।

TOPIC = व्यावहारिक व्याकरण

#भाषा, व्याकरण एवं लिपि का परिचय

1. भाषा का लिखित रूप ही _____ कहलाता है । [1M]
(RBSE 2022)

2. भाषा को शुद्ध लिखने व बोलने संबंधी जानकारी देने वाले शास्त्र को_____कहते है । [1M]
(RBSE 2023)

#शब्द शक्ति

1. 'चमेली का पुष्प श्वेत वर्ण का सुगंधित पुष्प है।' उपर्युक्त वाक्य किस शब्द शक्ति का है? स्पष्ट कीजिए। [1+1=2M]
(RBSE 2018)

2. सुरेश हॉकी खेलते समय हवा से बातें करता है। उपर्युक्त वाक्य में निहित शब्द शक्ति को स्पष्ट कीजिए। [2M]
(RBSE 2019)

3. अभिधा शब्द-शक्ति को उदाहरण सहित समझाइए । [2M]
(RBSE 2020)

4. "घोड़ा सवारी के काम आता है।" वाक्य में _____शब्द शक्ति है। [1M]
(RBSE 2022)

6. लक्षणों पर आधारित अर्थ का बोध कराने वाली _____शब्द शक्ति होती है। [1M]
(RBSE 2022)

7. "लक्षित पुस्तक पढ़ रहा है।" वाक्य में_____ शब्द शक्ति है। [1M]
(RBSE 2023)

8. जब किसी शब्द के मुख्यार्थ में बाधा हो या अभिधा से अभीष्ट अर्थ का बोध न हो, वहाँ_____शक्ति होती है। [1M]
(RBSE 2023)

#अलंकार

1. 'अजौं तरयौना ही रह्यो, श्रुति सेवत इक अंग । नाक बास बेसरि लह्यो बसि - मुकुतन के संग।' उपर्युक्त दोहे में कौनसा अलंकार है और क्यों? [2M]
(RBSE 2018)

3. या अनुरागी चित्त की गति समुझै नहिं को 3 ज्यों-ज्यों बूड़े स्याम रंग त्यों-त्यों उज्वल होय।। उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में कौनसा अलंकार है, समझाइए । [2M]
(RBSE 2019)

TOPIC = सप्रसंग व्याख्या गद्य भाग

1. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
[1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

मुझे तो मनुष्य के हाथ से बने हुए कामों में उनकी प्रेममय पवित्र आत्मा की सुगंध आती है। राफेल आदि के चित्रित चित्रों में उनकी कला-कुशलता को देख इतनी सदियों के बाद भी उनके अंतः करण के सारे भावों का अनुभव होने लगता है। केवल चित्र का ही दर्शन नहीं, किंतु साथ ही उसमें छिपी हुई चित्रकार की आत्मा तक के दर्शन हो जाते है; परन्तु यंत्रों की सहायता से बने हुए फोटो निर्जीव से प्रतीत होते हैं। उनमें और हाथ के चित्रों में उतना ही भेद है जितना कि बस्ती और श्मशान में।

(RBSE 2018)

2. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
[1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

इस प्रकार अपने ज्ञान बल, हृदयबल और शरीरबल की वृद्धि के साथ वह दुःख की छाया मानों हटाता चलता है। समस्त मनुष्य-जाति की सभ्यता के विकास का ही यही क्रम रहा है। भूतों का भय तो अब बहुत कुछ छूट गया है, पशुओं की बाधा भी मनुष्य के लिए प्रायः नहीं रह गई है; पर मनुष्य के लिए मनुष्य का भय बना हुआ है। इस भय के छूटने के लक्षण भी नहीं दिखाई देते। अब मनुष्यों के दुःख का कारण मनुष्य ही है। सभ्यता से अंतर केवल इतना ही पड़ा है कि दुःख-दान की विधियाँ बहुत गूढ़ और जटिल हो गई हैं।

(RBSE 2018)

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
[1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

जिस प्रकार सुखी होने का प्रत्येक प्राणी को अधिकार है, उसी प्रकार मुक्तातंक होने का भी। पर कर्म-क्षेत्र के चक्रव्यूह में पड़कर जिस प्रकार सुखी होना प्रयत्न-साध्य होता है, उसी प्रकार निर्भय रहना भी। निर्भयता के संपादन के लिए दो बातें अपेक्षित हैं-पहली तो यह कि दूसरों के हम से किसी प्रकार का भय या कष्ट न हो; दूसरी यह कि हमको कष्ट या भय पहुँचाने का साहस न कर सके। इनमें से एक का संबन्ध उत्कृष्ट शील से है और दूसरी का शक्ति और पुरुषार्थ से।

(RBSE 2019)

4. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी एक गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :
[1+2+1=4M]
(उत्तर-सीमा लगभग 80 शब्द)

यहाँ मुझे ज्ञात होता है कि बाजार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है। और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'पर्चेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति-शैतानी

पाठयपुस्तक - आरोह (काव्य खंड)

1.हरिवंश राय बच्चन (1.आत्मपरिचय, 2.एक गीत)

1. "कविता एक खेल है बच्चों के बहाने " "कविता के बहाने' पाठ में कविता और बच्चे मानव-समाज को क्या संदेश देते हैं ? [1.5M]

(RBSE 2013)

2. 'कवि हरिवंश राय बच्चन की कविता 'आत्म-परिचय' अपनी अस्मिता, अपनी पहचान का बोध कराती है।' उपर्युक्त कथन की उदाहरण सहित व्याख्या 'आत्म-परिचय' कविता के आधार पर कीजिए। [4M]

(RBSE 2018)

3. 'आत्म-परिचय' कविता की मूल संवेदना को स्पष्ट कीजिए।

(RBSE 2020)

4. हरिवंश राय बच्चन का कवि परिचय लिखिए । [4M]

(RBSE 2022, RBSE 2023)

2.आलोक धन्वा (पतंग)

5. 'पतंग' कविता में किन-किन बिम्बों को चित्रित किया है? [2M]

(RBSE 2023)

3.कुँवर नारायण (1. कविता के बहाने, 2. बात सीधी थी पर)

6. 'बात सीधी थी पर' कविता का मूल भाव लिखिए । [2M]

(RBSE 2023)

4.रघुवीर सहाय (कैमरे में बंद अपाहिज)

7. "हम समर्थ शक्तिवान, हम एक दुर्बल को लाएँगे, एक बंद कमरे में" 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता की प्रस्तुत पंक्ति में कवि का कौन-सा भाव व्यंजित हुआ है ? [1.5M]

(RBSE 2015)

8. 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता किस सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति को दर्शाती है ? क्या वास्तव में वह सामाजिक उद्देश्य की पूर्ति करती है ? स्पष्ट कीजिए । [1.5M]

THIS IS A SAMPLE PDF BUY COMPLETE PDF ....

WhatsApp : [9216765400](tel:9216765400)